



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 782 राँची, सोमवार 11 कार्तिक, 1937 (श०)
2 नवम्बर, 2015 (ई०)

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(पशुपालन एवं मत्स्य प्रभाग)

अधिसूचना

29 अक्टूबर, 2015

स्था. नियुक्ति/प्रोन्नति (5) 19/2009 प.पा. 1579--भारत का संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखण्ड के राज्यपाल एतद् द्वारा झारखण्ड राज्य के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के प्रशासकीय नियंत्रणाधीन पशुपालन, गव्य एवं मत्स्य निदेशालयों के सांख्यिकी संवर्ग के राजपत्रित/अराजपत्रित पदों पर भर्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली गठित करते हैं-

अध्याय-1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ:-

- (i) यह नियमावली "झारखंड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग" (भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवा शर्तें) नियमावली 2015 कही जायेगी ।
- (ii) इसका विस्तार सम्पूर्ण झारखण्ड राज्य में होगा ।
- (iii) यह नियमावली सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी ।

2. परिभाषाएँ:-

इस नियमावली में जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हों:-

- (i) 'राज्य' से अभिप्रेत है - झारखंड राज्य ।
- (ii) 'राज्य सरकार' से अभिप्रेत है - झारखण्ड सरकार ।
- (iii) 'राज्यपाल' से अभिप्रेत है - झारखण्ड के राज्यपाल ।
- (iv) 'विभाग' से अभिप्रेत है - कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग ।
- (v) 'नियमावली' से अभिप्रेत है - झारखण्ड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग 2015 ।
- (vi) 'गठन' से अभिप्रेत है - झारखंड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग का गठन।
- (vii) 'संवर्ग' से अभिप्रेत है - झारखंड राज्य में पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग।
- (viii) 'संवर्गीय' पद से अभिप्रेत है - राज्य सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग एवं पशुपालन, गव्य विकास एवं मत्स्य निदेशालय हेतु विभाग द्वारा सांख्यिकी संवर्ग के कुल राजपत्रित/अराजपत्रित स्वीकृत पद ।
- (ix) 'कोटि' से अभिप्रेत है - वेतनमान के अनुरूप पदों का वर्गीकरण जो सेवा संवर्ग में विनिश्चित होगा ।
- (x) 'नियुक्ति' प्राधिकार' से अभिप्रेत है- सचिव/प्रधान सचिव/अपर मुख्य सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग ।
- (xi) 'आयोग' से अभिप्रेत है - झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग।
- (xii) 'सेवा शर्त' से अभिप्रेत है - नियुक्ति, पदस्थापन, स्थानांतरण, उपादान, ग्रुप बीमा और भविष्य निधि ।

- (xiii) 'सदस्य या सेवा के सदस्य' - झारखण्ड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग में अभिप्रेत है नियुक्त व्यक्ति ।
- (xiv) 'भर्ती वर्ष' से अभिप्रेत है - वह कैलेंडर वर्ष जिसमें नियुक्ति की गई है।

3. झारखण्ड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग का गठन:-

- (i) झारखण्ड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग का गठन संवर्गीय पदों पर नियुक्त एवं प्रोन्नत व्यक्तियों को मिला कर होगा ।
- (ii) झारखण्ड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग के सभी पद राज्य स्तरीय होंगे ।
- (iii) झारखण्ड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग के सभी सदस्य राजपत्रित एवं अराजपत्रित पदों को मिला कर होगा ।
- (iv) इसका विस्तार सम्पूर्ण झारखण्ड राज्य में होगा ।
- (v) यह संवर्ग कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में होगी।

4. झारखण्ड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग की संख्या और संरचना:-

- (i) इस नियमावली के प्रवृत्त होने की तिथि को नियम-3 के अधीन गठित पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग की संख्या और संरचना की अवधारणा राज्य सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा किया जायेगा और इसे राजपत्र (गजट) में प्रकाशित किया जाएगा । जब तक ऐसा प्रकाशन नहीं हो जाता तब तक इस नियमावली के प्रारम्भ होने के पहले प्रवृत्त स्थिति में बनी रहेगी ।
- (ii) प्रत्येक श्रेणी के पदों की कुल संख्या उतनी ही होगी, जितनी कैडर विभाजन के उपरान्त अंतिम रूप से झारखण्ड राज्य के पशुपालन एवं मत्स्य विभाग को प्राप्त हुआ है तथा उसके बाद समय-समय पर आवश्यकतानुसार सृजित पद ।
- (iii) संरचना/स्वीकृत पदबल का पुनर्निर्धारण सरकार द्वारा समय-समय पर आवश्यकतानुसार किया जाएगा तथा स्थायी और अस्थायी पदों एवं उच्चतर पदों का सृजन सरकारी गजट में अधिसूचना द्वारा किया जाएगा जिन्हें वह आवश्यक समझे।
- (iv) इन पदों पर सीधी नियुक्ति/प्रोन्नति द्वारा पदस्थापन किया जाएगा। पदों पर सीधी नियुक्ति "झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग" के खुली प्रतियोगिता परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की मेधा सूची के अनुशंसा पर की जायेगी। उक्त अनुशंसा के आलोक में उनकी नियुक्ति कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग एवं नियंत्रणाधीन पशुपालन/गव्य विकास एवं मत्स्य निदेशालयों के अधीन स्वीकृत पदों पर की जायेगी ।
- (v) पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग के पदों के नोडल/प्रशासी विभाग, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग होगा ।

(vi) सांख्यिकी आँकड़ों के संग्रहण, सूत्रण, विश्लेषण तथा विभागीय योजनाओं का प्रबोधन एवं मूल्यांकन हेतु विभाग में सांख्यिकी कोषांग का गठन किया जा सकेगा एवं पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग के संरचना का पुनर्निर्धारण/ पदों/ उच्चतर पदों का सृजन आवश्यकतानुसार किया जा सकेगा। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सांख्यिकी कर्मियों के लिए गठित स्थापना समिति के अनुशंसा के उपरान्त स्वीकृत पदों पर पदाधिकारियों/कर्मचारियों की पदस्थापना/ प्रोन्नति/ प्रतिनियुक्ति, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग एवं इसके अधीन पशुपालन/ गव्य विकास एवं मत्स्य निदेशालय में की जाएगी।

5. झारखण्ड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग के विभिन्न श्रेणियों के पद, उनका वर्गीकरण तथा नियुक्ति प्राधिकार:-

सांख्यिकी संवर्ग में सम्मिलित विभिन्न कोटि के पद एवं उनके वर्गीकरण तथा उनके नियुक्ति प्राधिकार अथवा समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार होंगे, जिसका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.	पद का नाम	नियुक्ति का स्रोत	वेतनमान/ ग्रेड पे	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5
1	गणक	कर्मचारी चयन आयोग, झारखण्ड	PB-I 5200-20200 2000/-	शत प्रतिशत सीधी नियुक्ति।
2	सांख्यिकी गणक	100% (प्रतिशत) गणक के पद से प्रोन्नति।	PB-I 5200-20200 2400/-	गणक के पद से शत प्रतिशत प्रोन्नति।
3	सांख्यिकी पर्यवेक्षक एवं समकक्ष पद (सांख्यिकी पर्यवेक्षक/ सांख्यिकी सहायक/ वरीय सांख्यिकी सहायक)	50% (प्रतिशत) पदों पर कर्मचारी चयन आयोग की अनुशंसा के आलोक में सीधी नियुक्ति तथा 50% (प्रतिशत) पदों पर विभागीय प्रोन्नति समिति के अनुशंसा के आलोक में सांख्यिकी गणक के पदों से प्रोन्नति।	PB-II 9300-34800 4200/-	1) वित्त विभाग के संकल्प ज्ञापांक-660 दिनांक-28.02.2009 के अनुसार समान वेतन के पद आपस में सांख्यिकी पर्यवेक्षक के पद में समाहित कर दिया गया है। (2) 50%सीधी नियुक्ति50%प्रोन्नति।
4	सांख्यिकी पदाधिकारी	सांख्यिकी पर्यवेक्षक एवं समकक्ष पद से 100% (प्रतिशत) पदों पर विभागीय प्रोन्नति समिति के अनुशंसा के आलोक में प्रोन्नति।	PB-II 9300-34800 4800/- (राजपत्रित)	शत प्रतिशत प्रोन्नति।

नोट:- झारखंड सरकार के संकल्प संख्या 660/वि0 दिनांक 28 फरवरी, 2009 के द्वारा षष्ठम वेतन पुनरीक्षण के क्रम में सांख्यिकी संवर्ग के अपुनरीक्षित वेतनमान 5000-8000 एवं 5500-9000 के पदों के वेतनमान का विलयन कर एक ही पुनरीक्षित वेतनमान PB-II (9300-34800) एवं ग्रेड पे - 4200/- निर्धारित किया गया है। इस प्रकार वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सांख्यिकी संवर्ग के सांख्यिकी पर्यवेक्षक, वरीय सांख्यिकी सहायक, सांख्यिकी सहायक के अराजपत्रित पदों का वेतनमान एक समान हो जाने तथा इन पदों के कार्य की प्रकृति एक समान होने के फलस्वरूप इस संवर्ग के अंतर्गत विभिन्न पदनामों को समाहित करते हुए एक पदनाम यथा सांख्यिकी पर्यवेक्षक के पदनाम से नामोद्दिष्ट होगा। उपर्युक्त क्रमांक - 3 के अंतर्गत पदों के पदधारकों के प्रोन्नति के द्वारा सांख्यिकी पदाधिकारी के पद भरे जाएँगे। उपर्युक्त पद क्रमांक - 01 से 04 तक के सभी पद वित्त विभाग के द्वारा पूर्व से ही स्वीकृत हैं।

अध्याय -2

भर्ती/नियुक्ति

6. संवर्ग में प्रवेश/भर्ती/नियुक्ति का स्रोत:-

गणक-संवर्ग के पदसोपान के निम्नतर स्तर का पद गणक का पद होगा। इसके सभी पदों पर नियुक्ति "झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग" द्वारा आयोजित खुली प्रतियोगिता परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की मेधा सूची के आधार पर आयोग द्वारा की गई अनुशंसा के आलोक में सचिव/प्रधान सचिव/अपर मुख्य सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा की जाएगी। सीधी भर्ती की प्रक्रिया कर्णांकित उपबंधों के अनुसार होगी।

सांख्यिकी गणक-सांख्यिकी गणक के शत प्रतिशत पद कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखंड सरकार द्वारा निर्धारित कालावधि एवं वरीयता के आधार पर गणक के पद से प्रोन्नति के माध्यम से भरे जायेंगे।

सांख्यिकी पर्यवेक्षक-

(क) सांख्यिकी पर्यवेक्षक के 50% पद कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित खुली प्रतियोगिता परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की मेधा सूची के आधार पर आयोग द्वारा की गई अनुशंसा के आलोक में सचिव/प्रधान सचिव/अपर मुख्य सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा नियुक्ति की जायगी। सीधी भर्ती की प्रक्रिया कर्णांकित उपबंधों के अनुसार होगी।

- (ख) शेष 50% पद विभाग में कार्यरत सांख्यिकी गणक पदधारकों से वरीयता एवं कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित कालावधि के आधार पर प्रोन्नति के माध्यम से भरे जाएंगे ।

सांख्यिकी पदाधिकारी-सांख्यिकी पदाधिकारी का पद राजपत्रित पद है । सांख्यिकी पर्यवेक्षक/समकक्ष पद पर कार्यरत कर्मियों से वरीयता, सुयोग्यता एवं कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित कालावधि के आधार पर शत प्रतिशत प्रोन्नति के माध्यम से भरे जायेंगे ।

7. **आरक्षण:-** कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखंड सरकार द्वारा सीधी भर्ती नियुक्ति एवं प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति तथा उच्चतर कोटियों में प्रोन्नति में आरक्षण अधिनियम तथा उसके तहत निर्गत संकल्प/अनुदेशों/रोस्टर का अनुपालन अनिवार्य होगा।
8. **रिक्तियों का निर्धारण:-**प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के 1ली जनवरी को आधार तिथि मानते हुए नियुक्ति हेतु रिक्तियों का निर्धारण किया जायेगा ।

अध्याय-3

सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति

9. सीधी भर्ती हेतु अर्हता:-

- (I) **गणक** के पद के लिए कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा भरे जानेवाले शतप्रतिशत पद के लिये न्यूनतम योग्यता किसी मान्यता प्राप्त 10+2/इंटरमिडिएट से गणित/ अर्थशास्त्र विषय में से किसी एक विषय में 10+2/इंटरमिडिएट उत्तीर्ण या झारखण्ड सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उपाधि निर्धारित की जाती है ।
- (II) **सांख्यिकी पर्यवेक्षक** के पदों के लिए सीधी नियुक्ति कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा भरे जाने वाले 50%(प्रतिशत) पदों के लिये न्यूनतम योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी/गणित/अर्थशास्त्र विषय में से किसी एक विषय में स्नातक उत्तीर्ण निर्धारित की जाती है ।

10. नियुक्ति की प्रक्रिया:-

(क) कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग वर्ष के दौरान भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या और नियम - 7 के अधीन विभिन्न श्रेणियों के लिए आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या आकलित करेगा तथा रोस्टर क्लीयरेंस के उपरान्त सीधी नियुक्ति हेतु झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग को अधियाचना भेजेगा ।

(ख) गणक के पद पर नियुक्ति हेतु परीक्षा के विषय:-

क्र.सं.	पेपर	विषय	स्तर	पूर्णांक	उत्तीर्णांक	पाठ्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7
1	I	सामान्य हिन्दी एवं भाषा ज्ञान	मैट्रिक	100	30	सभी प्रश्न विषयनिष्ठ प्रकृति के होंगे ।
2	II	सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन	मैट्रिक	100	30	सामयिक विषय, संस्कृति एवं खेलकूद, भारतीय इतिहास, भूगोल, भारतीय संविधान, सामान्य विज्ञान, कम्प्यूटर सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति के होंगे।
3	III	गणित	मैट्रिक	100	30	अंकगणित, बीजगणित, ज्यामिति सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति के होंगे ।
		अर्थशास्त्र				सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति के होंगे।

- मेधा सूची तैयार करते समय सामान्य हिन्दी (पेपर-I) विषय के प्राप्तांक को अन्य विषय के साथ नहीं जोड़ा जायेगा । सामान्य हिन्दी के पत्र में मात्र उत्तीर्णांक (30% अंक) लाना अनिवार्य होगा ।
- अभ्यर्थी को गणित/अर्थशास्त्र विषय में से किसी एक का चयन करना होगा ।
- कुल प्राप्तांक 200 अंक (पेपर-II & III) के आधार पर मेधा सूची तैयार की जाएगी।

(ग) सांख्यिकी पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्ति हेतु परीक्षा के विषय:-

क्र.सं.	पेपर	विषय	स्तर	पूर्णांक	उत्तीर्णांक	पाठ्यक्रम
1	2	3	4	5	6	7
1	I	सामान्य हिन्दी एवं भाषा ज्ञान	स्नातक	100	30	सभी प्रश्न विषयनिष्ठ प्रकृति के होंगे।
2	II	सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन	स्नातक	100	30	सामान्य विज्ञान, कम्प्यूटर, सामयिक विषय, संस्कृति एवं खेलकूद, भारतीय इतिहास, भूगोल, भारतीय संविधान, लोक प्रशासन, समाज शास्त्र, सामयिक घटनाओं एवं आर्थिक विश्लेषण तथा कम्प्यूटर से संबंधित वस्तुनिष्ठ प्रकृति के प्रश्न।
3	III	गणित/सांख्यिकी/अर्थशास्त्र	स्नातक	100	30	सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति के होंगे।

- मेधा सूची तैयार करते समय सामान्य हिन्दी (पेपर-I) विषय के प्राप्तांक को अन्य विषय के साथ नहीं जोड़ा जायेगा। सामान्य हिन्दी के पत्र में मात्र उत्तीर्णांक (30%अंक) लाना अनिवार्य होगा।
- अभ्यर्थी को गणित/अर्थशास्त्र/सांख्यिकी विषय में से किसी एक का चयन करना होगा।
- कुल प्राप्तांक 200 अंक (पेपर-II & III) के आधार पर मेधा सूची तैयार की जाएगी।

(घ) प्रतियोगिता परीक्षा के संचालन के संबंध में उपर्युक्त प्रावधानों के अतिरिक्त अन्य सभी संगत बातों पर निर्णय लेने के लिए झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग सक्षम होगा, परन्तु इस प्रसंग में कोई दुविधा या शंका होने पर सरकार का निर्णय अन्तिम होगा।

11. **उम्र सीमा:-**प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से भरे जाने वाले पद कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखंड सरकार द्वारा समय-समय पर सीधी भर्ती के लिये निर्धारित उम्र सीमा के अन्तर्गत होगा। इन पदों पर भर्ती के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होगी।

अध्याय-4

12. वेतन एवं भत्ते-

- (i) पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग में कर्मियों का अनुमान्य वेतन एवं भत्ते इस नियमावली के नियम - 5 के स्तम्भ (4) के अनुरूप होगा एवं इसके बाद की तिथियों में सरकार द्वारा जो वेतन एवं भत्ते निर्धारित किये जाएँगे, वे इन्हें प्राप्त होंगे।
- (ii) सांख्यिकी संवर्ग में नियुक्त कर्मचारी/पदाधिकारी का पेंशन झारखंड राज्य सरकारी-सेवक अंशदायी पेंशन योजना 2004 एवं उस नियमावली के प्रवृत्त होने के पूर्व में नियुक्ति/प्रोन्नत कर्मचारियों की पेंशन नियमावली, 1950 से आच्छादित होगा तथा सेवा की अन्य शर्तें झारखंड सेवा संहिता के नियमों एवं समय-समय पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग/योजना-सह-वित्त विभाग द्वारा निर्गत नियमों/परिपत्रों/संकल्पों द्वारा विनियमित एवं आच्छादित होंगे।

13. **परीक्ष्यमान अवधि/सम्पुष्टि/प्रशिक्षण:-**

- 1) सीधी नियुक्ति से नियुक्त कर्मचारी की परीक्ष्यमान अवधि दो वर्ष होगी।
- 2) आयोग द्वारा चयनित होकर नियुक्त गणक एवं सांख्यिकी पर्यवेक्षक को तकनीकी विभागीय कार्यों का दो माह का अनिवार्य प्रशिक्षण विभाग/निदेशालय स्तर पर दिया जायेगा।
- 3) इस संवर्ग के सदस्य को सांख्यिकी संबंधी कार्यों का समय-समय पर विभाग/निदेशालय तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण दिया जा सकेगा।
- 4) इस संवर्ग के सदस्य को प्रशिक्षण के लिए राज्य में या राज्य के बाहर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अवधि के लिए भेजा जा सकेगा।

- 5) हिन्दी टिप्पणी प्रारूपण, जनजातीय भाषा परीक्षा एवं कम्प्यूटर ऑपरेट करने के संबंध में सामान्य ज्ञान परीक्षा उत्तीर्ण करने तथा लगातार दो वर्षों की स्वच्छ सेवा के उपरांत नियुक्त कर्मों की सेवा को सम्पुष्ट किया जा सकेगा ।

अध्याय – 5

प्रोन्नति

14. प्रोन्नति का पद:-

क्रमांक	पदनाम	प्रोन्नति का पद सोपान	प्रोन्नति के लिए निर्धारित (प्रतिशत)%	वेतनमान
1	2	3	4	5
1	सांख्यिकी गणक	गणक पद से प्रोन्नति द्वारा	(शत प्रतिशत)	PB-I 5200-20200 GP-2400/-
2	सांख्यिकी पर्यवेक्षक एवं समकक्ष पद (सांख्यिकी पर्यवेक्षक/सांख्यिकी सहायक /वरीय सांख्यिकी सहायक)	सांख्यिकी गणक पद से प्रोन्नति द्वारा	(कुल स्वीकृत पद बल का 50%)	PB-II 9300-34800 GP-4200/-
3	सांख्यिकी पदाधिकारी	सांख्यिकी पर्यवेक्षक एवं समकक्ष पद (सांख्यिकी सहायक/सांख्यिकी पर्यवेक्षक/वरीय सांख्यिकी सहायक) से प्रोन्नति द्वारा	शत प्रतिशत (100%)	PB-II 9300-34800 GP-4800/-

उपर्युक्त संवर्ग पद संरचना में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकेगा ।

15. प्रोन्नति का पद सोपान:-

क्रमांक	विषय	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड पे (कोटि वेतन)
			पुनर्नियुक्ति वेतन	
1	अराजपत्रित पद मूल कोटि	गणक	PB-I 5200-20200	2000
2	प्रोन्नति का प्रथम स्तर	सांख्यिकी गणक	PB-I 5200-20200	2400
3	प्रोन्नति का द्वितीय स्तर	सांख्यिकी पर्यवेक्षक एवं समकक्ष पद (सांख्यिकी पर्यवेक्षक/ सांख्यिकी सहायक/वरीय सांख्यिकी सहायक)	PB-II 9300-34800	4200
4	प्रोन्नति का तृतीय स्तर	सांख्यिकी पदाधिकारी (राजपत्रित पद)	PB-II 9300-34800	4800

16. **प्रोन्नति समिति:-** कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा समय समय पर अराजपत्रित पद एवं राजपत्रित पद पर प्रोन्नति हेतु कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के लिए गठित/पुनर्गठित प्रोन्नति समिति ।
17. कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग तथा पशुपालन/गव्य विकास एवं मत्स्य निदेशालय के अधीन संवर्गीय पदों पर कार्यरत सांख्यिकी कर्मियों के अगले उच्चतर पद पर प्रोन्नति की अनुशंसा के लिये पदाधिकारी/कर्मचारियों की तीन वर्षों की वार्षिक गोपनीय अभ्युक्ति एवं आरोपों की स्थिति की सम्यक जाँच कर तथा जो कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित कालावधि पूरी करते हों, उनके प्रोन्नति की अनुशंसा विभागीय प्रोन्नति समिति करेगी ।

18. प्रक्रिया:-

- (i) कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड द्वारा निर्दिष्ट अनुदेशों के आलोक में वरीयता के आधार पर कंडिका (15) एवं (17) के अनुसार की जाएगी ।
- (ii) प्रोन्नति के माध्यम से भरे जाने वाले पदों के लिये कोई अधिकतम उम्र सीमा लागू नहीं होगी ।
- (iii) प्रोन्नति का आधार वरीयता एवं संतोषप्रद सेवा होगा ।
- (iv) उच्चतर कोटि में प्रोन्नत कर्मियों की प्रोन्नति पूर्ववत् प्रभावी रहेगी ।
- (v) समय-समय पर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग तथा इसके नियंत्रणाधीन पशुपालन/गव्य विकास एवं मत्स्य निदेशालयों के सांख्यिकी कर्मियों के लिए गठित प्रोन्नति समिति की अनुशंसा के आलोक में विभाग द्वारा प्रोन्नति की जाएगी ।

19. **कालावधि:-** सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा समय समय पर निर्गत संकल्प/अनुदेशों के आलोक में निर्धारित कालावधि के प्रावधान लागू होंगे।

20. **वरीयता का निर्धारण:-** पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग में सीधे चयनित एवं प्रोन्नति के माध्यम से प्रोन्नत कर्मचारी/पदाधिकारी की वरीयता सरकार द्वारा शासित नियमों/परिपत्रों के आलोक में निर्धारित होगा। सीधी भर्ती से नियुक्त कर्मियों की आपसी वरीयता का निर्धारण नियमानुसार मेधा सूची के आधार पर विभाग द्वारा किया जायेगा ।

21. पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग के राजपत्रित पद पर प्रोन्नत पदाधिकारियों का संस्थागत प्रशिक्षण अनिवार्य होगा, यह प्रशिक्षण श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान/राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अन्य संस्थान में दिया जायेगा । प्रशिक्षण कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग तथा इसके नियंत्रणाधीन पशुपालन/गव्य विकास एवं मत्स्य निदेशालय के अन्तर्गत सांख्यिकी कर्मियों को विविध सांख्यिकी विषयों पर दिये जायेंगे ।

अध्याय-6**22. पदस्थापन एवं स्थानान्तरण:-**

कार्यपालिका नियमावली में निहित प्रावधानों के आलोक में स्थानान्तरण एवं पदस्थापन हेतु राजपत्रित/अराजपत्रित पदों के लिए कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के लिए गठित/पुनर्गठित स्थापना समिति ।

(क) झारखण्ड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग के सदस्यों का स्थानान्तरण एवं पदस्थापन स्वीकृत पद पर विभागीय स्थापना समिति के अनुशंसा के आलोक में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा किया जा सकेगा ।

- (ख) इस संवर्ग के सदस्य को झारखण्ड राज्य के अधीन कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग एवं उसके नियंत्रणाधीन पशुपालन/गव्य विकास एवं मत्स्य निदेशालयों में किसी भी स्थान पर सृजित पद के विरुद्ध पदस्थापित तथा आवश्यकतानुसार प्रतिनियुक्त किया जा सकेगा।

सामान्यतः पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग के सदस्यों का स्थानांतरण तीन वर्षों तक कार्यरत रहने के उपरांत ही किया जायेगा परन्तु विशेष परिस्थिति एवं अन्य प्रशासनिक दृष्टिकोण से किया जानेवाला स्थानान्तरण विभाग के अनुशंसा के आधार पर किया जा सकेगा।

अध्याय - 7

कर्तव्य एवं कार्य

23. **कर्तव्य एवं कार्य:-** संवर्गीय कर्मचारियों/पदाधिकारियों के कर्तव्य एवं कार्य निम्न प्रकार होंगे।
- (I) **गणक:-** विभागीय जिला स्तरीय कार्यालय में विभागीय योजना/सांख्यिकी से संबंधित प्रतिवेदनों का रख-रखाव, संकलन कर उच्च स्तर के कार्यालयों को प्रेषित करना। पशुगणना/सर्वे से संबंधित आवंटित कार्यों का निष्पादन तथा सांख्यिकी गणक के कार्यों में सहयोग करना।
 - (II) **सांख्यिकी गणक:-** विभागीय जिलास्तरीय कार्यालय में विभागीय योजना/सांख्यिकी संबंधी सभी प्रकार के प्राप्त प्रतिवेदनों, संकलन, रख-रखाव, उनका विश्लेषण कर उच्चस्तरीय कार्यालय को प्रेषित करना/न्यादर्श सर्वेक्षण/पशुधन गणना के लिए सैम्पल के रूप में चयनित गांव के पशुधन संख्या से संबंधित आँकड़ों का एकत्रीकरण/सिड्यूल के बारे में जानकारी देना/प्राप्त करना, उन्हें विधिवत सिड्यूल में भर कर विभागीय प्रमंडल स्तरीय कार्यालय के माध्यम से निदेशालय को ससमय प्रेषित करना। विभाग/निदेशालय में पदस्थापित होने की स्थिति में अधीनस्थ कार्यालयों से प्राप्त प्रतिवेदनों का रख-रखाव, संकलन, संग्रहण एवं अन्य संबंधित कार्य।
 - (III) **सांख्यिकी पर्यवेक्षक:-** विभागीय प्रमंडल स्तर के कार्यालय में पदस्थापन होने की स्थिति में जिला स्तर पर गणक एवं सांख्यिकी गणक को समय-समय पर प्रशिक्षण देना उनके कार्यों का पर्यवेक्षण/उनके द्वारा भरे गये सिड्यूल का भौतिक सत्यापन/जिला एवं क्षेत्रीय स्तर पर पशुधन गणना/सर्वेक्षण के प्राप्त आँकड़ों एवं सांख्यिकी/विभागीय योजना संबंधी प्रतिवेदनों का संकलन/मूल्यांकन एवं विश्लेषण कर विभाग/निदेशालय को प्रेषित करना।

विभाग/निदेशालय में पदस्थापित होने की स्थिति में अधीनस्थ कार्यालयों से प्राप्त प्रतिवेदनों के मुख्यालय स्तर पर संकलन विभागीय योजनाओं का प्रबोधन एवं मूल्यांकन तथा विश्लेषण कर सांख्यिकी पदाधिकारी को प्रस्तुत करना एवं उनके कार्यों में सहयोग प्रदान करना ।

- (IV) **सांख्यिकी पदाधिकारी:-** मुख्यालय/निदेशालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थापित सांख्यिकी कर्मियों के कार्यों का निरीक्षण/पर्यवेक्षण/मूल्यांकन/विभाग द्वारा आवंटित अन्य कार्यों का संपादन ।

अध्याय - 8

प्रकीर्ण

24. **नियुक्ति प्राधिकार एवं नियंत्रण-**झारखण्ड पशुपालन सांख्यिकी संवर्ग में नियुक्त कर्मचारी अंतिम रूप से प्रशासी विभाग यथा कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के नियंत्रणाधीन होंगे ।
25. **अनुशासनिक कार्रवाई-**संवर्ग के सदस्यों के संबंध में अनुशासनिक कार्रवाई, असेैनिक सेवाएँ (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 1930 तथा बिहार एवं उड़ीसा अवर सेवाएँ (अनुशासन और अपील) नियमावली 1935 के द्वारा नियंत्रित होगी।
26. **विविध-**
- (i) जिन विषयों या बिन्दुओं का प्रावधान इस नियमावली में नहीं है उनके संबंध में राज्य सरकार के कर्मियों के लिए तत्समय प्रवृत्त नियम/अनुदेश लागू होंगे ।
 - (ii) इस नियमावली के किसी भी नियम की व्याख्या करने के लिए कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग सक्षम होगा ।
 - (iii) इस नियमावली के नियम को प्रभावी करने में कोई कठिनाई उत्पन्न हो तो राज्य सरकार शासकीय गजट में प्रकाशित आदेश द्वारा ऐसा कुछ भी कर सकेगी जो कठिनाई दूर करने में उसे आवश्यक प्रतीत हो ।
 - (iv) इस सेवा के लिए अन्य शर्तें यथा अनुशासनिक कार्रवाई, छुट्टी, देय सेवानिवृत्ति लाभ इत्यादि, जो इस नियमावली में उल्लिखित नहीं है के संबंध में राज्य सरकार से इस प्रयोजनार्थ तत्समय लागू नियमावली/नियमावलियों के प्रावधान से नियंत्रित होगी ।

27. **नियमों का शिथिलीकरण-** राज्य सरकार प्रशासी विभाग के माध्यम से इस नियमावली के किसी भी प्रावधान को संशोधन करने की शक्ति रखती है तथा किसी प्रकार की शंका के निवारण हेतु निदेश/परिपत्र निर्गत कर सकती है । और ऐसा विनिश्चय अंतिम होगा ।

28. **निरसन एवं व्यावृत्ति:-**

इस नियमावली के प्रभावी होने की तिथि से सभी प्रासंगिक परिपत्र/निर्णय निरसित समझे जायेंगे ।

झारखंड राज्यपाल के आदेश से,

डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी,

सरकार के सचिव ।
